बोर्ड विद्यार्थियों को दिग्गज अधिकारियों ने दिए सफलता के टिप्स

महासमुंद, 08 फरवरी 2018/ महासमुंद जिले के सरायपाली के नवोदय विद्यालय के कक्षा दसवीं और बारहवीं के बोर्ड परीक्षाओं में बैठने वाले विद्यार्थियों के लिए कल शाम का दिन विशेष दिन बनकर आया। जिले के युवा एवं दिग्गज अधिकारीगण कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सहित कुल चार आईएएस एवं आईपीएस अधिकारी ने उनसे मिलकर उनकी पढ़ाई लिखाई, परीक्षा की तैयारी और भविष्य की संभावनाओं पर न केवल खुलकर चर्चा की बल्कि उन्हें सफलताओं और परीक्षाओं के सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए।

जिले के आईएएस अधिकारी कलेक्टर श्री हिमशिखर गुप्ता, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ऋतुराज रघुवंशी, अनुविभागीय दण्डाधिकारी सरायपाली सुश्री नुपुर राशि पन्ना और पुलिस अधीक्षक श्री संतोष कुमार सिंह कल शाम अचानक नवोदय विद्यालय पहुंचकर यहां पढ़ने वाले बालक और बालिकाओं से रूबरू हुए। उन्होंने बालकों के हास्टल में भी पहुुंचकर उनकी व्यवस्थाओं, रहन-सहन, अध्ययन, भोजन, दिनचर्या, खेलकूद जैसी बातों की जानकारी ली।

बातचीत के दौरान इन अधिकारियों ने दसवीं और बारहवीं के बोर्ड परीक्षाओं में बैठने वाले सभी विद्यार्थियों से कहा कि वे अनिवार्य रूप से राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं जैसे आईआईटी, एआईसीटीई, जेईई, एआईपीएमटी, क्लैट आदि के लिए फार्म भरें और उसके लिए व्यवस्थित तथा गंभीरतापूर्वक अध्ययन कर परीक्षा दें। कलेक्टर ने कहा कि अगर किसी बालक या बालिका को आवेदन भरने में परीक्षा फीस की जरूरत होगी तो उसकी व्यवस्था भी की जाएगी। उन्होंने इसके अलावा दिल्ली विश्वविद्यालय तथा अन्य नामी गिरामी विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को प्रयास करने को कहा। उन्होंने कहा कि यह समय जीवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और निर्णायक समय है। यह समय विद्यार्थियों की पूरी जिन्दगी को बदल सकता है। इसके लिए उन्हें अपना लक्ष्य ऊंचा बनाना होगा, अपनी इच्छाओं और रूचियों के अनुसार भविष्य की पढ़ाई के लिए ऊंचे एवं वास्तविक लक्ष्य के अनुसार ही कड़ी मेहनत करने होगी, इसके अलावा बेकअप तैयार भी रखना पडेगा। उन्हें अपना लक्ष्य एवं मंजिल के प्रति स्पष्टता बनानी होगी। अंत तक असमन्जस की स्थिति नहीं रहनी चाहिए। जितना ऊंचा लक्ष्य होगा, मेहनत भी उतनी अधिक करनी होगी। कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। कैरियर निर्माण में भाग्य या तुक्का की नगण्य भूमिका होती है असली भूमिका व्यवस्थित मेहनत और अध्ययन की ही होती है।

कक्षा बारहवीं की परीक्षा देने जा रही एक बालिका ने जब हिचकते हुए बताया कि उसे अपने ऊपर कॉन्फिडेंस नहीं आ रहा है और उसे लगता है कि वह पढ़ने के बाद भूल जाती है, तो अधिकारियों ने उसका और उसके जैसे सभी विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि वे पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को निर्धारित परीक्षा अवधि में हल करें, इससे उन्हें अपने पढ़ाई की स्थिति, अच्छे चेप्टर और कमजोर चेप्टर को समझने में मदद मिलेगी। बार-बार प्रयास करने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। अधिकारियों ने कहा कि डर एक स्वाभाविक प्रक्रिया है यह पढ़ाई के साथ-साथ जीवन के हर क्षेत्र में होता है, लेकिन बार-बार प्रयास करने से यह डर कम होकर खत्म हो जाता है। डर को नकारने से यह बार-बार आता है। डर का सामना करना चाहिए। यह स्लोगन सही है कि 'डर के आगे जीत है'।

बातचीत के दौरान युवा अधिकारियों ने कहा कि आज की दौर में विद्यार्थियों के सामने नए अवसर और नई संभावनाएं पहले से ज्यादा हुई है। कैरियर के इन अवसरों को इंटरनेट तथा अन्य जानने समझने की लगातार कोशिश की जानी चाहिए। जिस तरह आईआईटी ने अपना विशेष पहचान बनाना है उसी तरह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी भी विद्यार्थियों की कैरियर को नई ऊंचाई दे रही है। आर्ट तथा फ्रेंच भाषा के प्रति रूचि आदि होने पर दिल्ली यूनिवर्सिटी में चलने वाली बीए (फ्रेंच) तथा साहित्य जैसे क्षेत्र जिसके बारे में विद्यार्थियों को कम जानकारी होती है वे भी कैरियर को संवारने में काफी उपयोगी साबित हो सकती है। वर्तमान समय में आईएएस और आईपीएस जैसी परीक्षाओं में इंजीनियरिंग और मेडिकल के विद्यार्थी विशेष रूप से सफल हो रहे है। दिल्ली विश्वविद्यालय में कामर्स विषय के प्रति इतना अधिक आकर्षण है कि बोर्ड परीक्षाओं में 99 प्रतिशत अंक लाने वाले बच्चों का ही चयन हो पाता है।

अधिकारियों ने कहा कि वे अपने गैर शैक्षणिक गतिविधियों, रूचियों और पसंद पर ध्यान दें तथा योग, खेलकूद और संगीत आदि से भी जुड़े रहें। अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान समय में आईएएस तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में जनरल नालेज, एप्टीट्युड टेस्ट का महत्व बढ़ा है। इसके लिए विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा मेहनत करना चाहिए। बैंक तथा बीबीए, एमबीए जैसे आप्शन भी अच्छे आप्शन है।

एक बालिका द्वारा फौज में जाने की इच्छा व्यक्त किए जाने पर अधिकारियों ने कहा कि जहां लड़कों के पास 12 वीं के बाद एनडीए तथा ग्रेजवेशन के बाद सीडीएस के माध्यम से जाने का बेहतर रस्ता होता है। वहीं अब आर्मी के साथ-साथ भारतीय वायु सेना में फाईटर पायलेट के रूप में भी बालिकाएं जाने लगी है। इसके लिए सीडीएस आदि के माध्यम से प्रयास किया जा सकता है। कैरियर के लिए थल सेना के साथ-साथ नौ सेना और वायु सेना भी अच्छे विकल्प है।

अधिकारियों ने बताया कि इंटरव्यू के दौरान आपके व्यवहार और व्यक्तित्व की जांच की जाती हैं। इसमें आपके, आपके शहर, राज्य, रूचियों, विषय जैसे सामान्य विषयों और तत्कालिक विषयों पर चर्चा की जाती

है। इंटरव्यू लेने वाले लोग काफी जानकार होते है और वे बातचीत करने के तरीके के साथ-साथ अपनी मनोवृत्ति के साथ-साथ आपके बाडी लेग्वेज का भी अध्ययन करते है। उनसे आप अपने को छुपा नहीं सकते। ऐसे समय सकारात्मक होकर खुलकर अपने बात कहें।

उल्लेखनीय है कि जहां कलेक्टर श्री हिमशिखर गुप्ता ने इंजीनियरिंग के पढ़ाई के बाद आईएएस में चयनित हुए है। वहीं जिला पंचायत के सीईओ श्री ऋतुराज रघुवंशी ला ॅ की पढ़ाई करने के बाद आईएएस बने, वहीं पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है। बातचीत के दौरान पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उन्होंने भी नवोदय स्कूल से अपनी पढ़ाई की है। कक्षा सातवीं में जब कलेक्टर स्कूल में आए थे तो उनसे मिलकर वे काफी प्रेरित हुए थे और उसी समय उन्होंने निश्चय कर लिया था की उन्हें प्रशासनिक सेवा में जाना है। श्री ऋतुराज ने बताया कि वे पढ़ाई में सामान्य विद्यार्थी थे, उन्हें बाद में अहसास हुआ कि उन्होंने कक्षा 11 वीं, 12 वीं में साईंस विषय लेकर गलती की और उन्होंने का ॅलेज लेबल में अपनी इस गलती को सुधारकर मनपसंद विषय में ग्रेजवेशन किया।